

# भारतीय समाज की संरचना – सामाजिक कार्य परिप्रेक्ष्य

- भारतीय समाज विविधता, बहुलता और जटिल सामाजिक व्यवस्था पर आधारित है
- सामाजिक कार्य में समाज की संरचना को समझना अनिवार्य है



# भारतीय समाज की प्रमुख विशेषताएँ

- बहुलता एवं विविधता
- जाति-प्रथा का प्रभाव
- कुटुंब एवं परिवार संरचना
- धर्म एवं परंपराओं की भूमिका



# 1. जाति-व्यवस्था (Caste System)

- ऐतिहासिक रूप से सामाजिक स्त्रीकरण का आधार
- जन्म पर आधारित समूह
- सामाजिक कार्य में: हाशिए पर पड़े समूहों की पहचान



# जाति-व्यवस्था की विशेषताएँ

- जातिगत विभाजन
- वर्ण और जाति आधारित पेशे
- सामाजिक बंदिशें और सीमाएँ



## 2. वर्ग-व्यवस्था (Class System)

- आर्थिक स्थिति पर आधारित सूरीकरण
- गरीबी, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता
- सामाजिक कार्य: कमजोर वर्गों का उत्थान



### 3. परिवार संरचना

- संयुक्त परिवार
- एकल परिवार
- परिवार में भूमिकाएँ और संबंध
- सामाजिक कार्य: परिवार परामर्श, सहायता सेवाएँ



## 4. कुटुंब (Kinship)

- रक्त संबंध एवं विवाह संबंध
- भारत में पितृवंशीय कुटुंब का प्रभुत्व
- सामाजिक कार्य के लिए कुटुंब नेटवर्क उपयोगी



# 5. धर्म और संस्कृति

- भारत में धर्म का महत्त्वपूर्ण स्थान
- संस्कृति, रीति-रिवाज और परंपराएँ
- सामाजिक कार्य: सांस्कृतिक संवेदनशीलता आवश्यक





## 6. ग्राम और शहरी समुदाय संरचना

- ग्राम: परंपरागत, कृषि आधारित
- शहर: आधुनिक, औद्योगिक
- सामाजिक कार्य: दोनों समुदायों की समस्याएँ भिन्न



# भारतीय समाज में सामुदायिक समस्याएँ

- गरीबी और बेरोजगारी
- जातीय भेदभाव
- महिला असमानता
- बाल श्रम एवं मानव तस्करी



# सामाजिक कार्य का दृष्टिकोण

- व्यक्ति, समूह और समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप
- सशक्तिकरण
- समाज परिवर्तन की दिशा में कार्य



# सामाजिक कार्य में भारतीय समाज की संरचना की उपयोगिता

- समस्याओं की पहचान में मदद
- उपयुक्त हस्तक्षेप मॉडल चुनने में सहायक
- नीति निर्माण व विकास कार्यक्रमों का आधार



# निष्कर्ष

- भारतीय समाज जटिल संरचना वाला समाज है
- सामाजिक कार्यकर्ता को समाज के प्रत्येक घटक को समझना आवश्यक
- यही समझ प्रभावी सामाजिक हस्तक्षेप का आधार बनती है

